



सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 203]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 3, 2004/भाद्र 12, 1926

No. 203]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 3, 2004/BHADRA 12, 1926

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अंतिम जाँच परिणाम

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 2004

विषय:- चीन जनवादी गणराज्य से मेलामाइन के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच ।

सं. 14/16/2003-डीजीएडी - 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 को ध्यान में रखते हुए:-

क. प्रारंभिक जांच परिणाम जारी करने के पश्चात् अपनायी गयी प्रक्रिया निम्नानुसार हैं :-

1. अनंतिम शुल्क की सिफारिश 27 फरवरी, 2004 को की गयी थी और 2/4/2004 को सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 53/2004 जारी की गयी थी । हितबद्ध पक्षकारों से प्रारंभिक जांच परिणामों पर कोई विशिष्ट उत्तर प्राप्त नहीं हुआ था ।
2. सार्वजनिक सुनवाई 1 अप्रैल, 2004 को आयोजित की गयी थी । इसमें मैसर्स जीएसएफसी (घरेलू उद्योग), मैसर्स काइवेई (निर्यातक) और मैसर्स मिल्टन लेमिनेट्स (आयातक) द्वारा भाग लिया गया था ।
3. निर्यातक सत्यापन 3-5 मई, 2004 के बीच किया गया था । जांच पड़ताल के दौरान उठाए गए मुद्दों को निर्यातक को सूचित किया गया था जिसके आधार पर निर्यातक द्वारा अतिरिक्त उत्तर प्रस्तुत किया गया था ।
4. प्रयुक्त संक्षेप/शब्द/मूल्य

(क) प्राधिकारी	निर्दिष्ट प्राधिकारी
(ख) संबद्ध देश	चीन जनवादी गणराज्य
(ग) संबद्ध माल/विचाराधीन उत्पाद	मेलामाइन
(घ) अमरीकी डालर/डालर	1 अमरीकी डालर - 48.4 रूपए
(ङ.) आरएमबी	1 अमरीकी डालर - 8.26 आरएमबी
(च) घरेलू उद्योग/याचिकाकर्ता-जीएसएफसी	गुजरात राज्य उर्वरक एवं रसायन लि०
(छ) पीओआई	जांच अवधि
(ज) निर्यातक लि०	मैसर्स तियांजिन काइवेई कैमिकल कं.
(झ) सीमाशुल्क	2002-03 - 30% 2003-04 - 25%

(5) सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 के नियम -16 के द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष विचाराधीन आवश्यक तथ्यों का प्रकटन विवरण 19 अगस्त, 2004 को जारी किया गया था। हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन विवरण का लिखित उत्तर देने हेतु 26 अगस्त, 2004 तक का समय दिया गया था।

घरेलू उद्योग और सहयोगी निर्यातक के अनुरोध पर उन्हें सुनने की अनुमति दी गयी थी। घरेलू उद्योग को अपने अनुरोध प्रस्तुत करने हेतु समयावधि को 30 अगस्त, 2004 तक बढ़ाया गया था। घरेलू उद्योग और सहयोगी निर्यातक द्वारा उठाए गए विशिष्ट मुद्दों पर स्पष्टीकरण देने के अलावा, सुनवाई के दौरान सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत, उतर्शई मूल्य और नुकसान रहित कीमत का परिकलन करने की पद्धति स्पष्ट की गयी।

(6) चीन की मोफकोम सरकार को राज्य द्वारा यूरिया की कीमत नियंत्रित करने के विशेष संदर्भ में सहयोगी निर्यातक द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के अनुरोध का उत्तर देने के लिए अनुस्मारक भी दिए गए।

(7) प्रकटन विवरण का केवल घरेलू उद्योग और सहयोगी निर्यातक ने उत्तर दिया था।

(ख) विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद मेलामाइन है जो स्वादरहित, गंधरहित और गैर-टैक्सिक पदार्थ है। मेलामाइन का प्रयोग मेलामाइन फोर्माल्डीहाइड का निर्माण करने के लिए किया जाता है जिसका उपयोग डाउन स्ट्रीम उत्पादों का उत्पादन करने के लिए किया जाता है। लेमिनेट्स के लिए प्रयुक्त मेलामाइन फोर्माल्डीहाइड रेजिन से उत्तम कठोरता आती है और खरोच, धब्बे, जल एवं ऊर्जा का प्रतिरोधी होता है।

मेलामाइन हेतु एक आबद्ध सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 का सीमाशुल्क उप-शीर्ष 29336100 है। यह उत्पाद ओजीएफ श्रेणी के अंतर्गत आता है और मुक्त रूप से आयात योग्य है।

किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा विचाराधीन उत्पाद के बारे में कोई मुद्दा नहीं उठाया गया है।

निर्दिष्ट प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के बारे में प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

(ग) विचाराधीन उत्पाद

आवेदक द्वारा उत्पादित मेलामाइन और चीन जनवादी गणराज्य से आयातित मेलामाइन वस्तु भौतिक एवं रसायनिक गुणधर्मों, कार्य एवं उपयोगों, उत्पाद विशिष्टताओं, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विषणन और टैरिफ वगीकरण जैसी विशेषताओं के अनुसार तुलनीय है। यद्यपि मेलामाइन के उत्पादन में शामिल विनिर्माण प्रक्रिया/प्रौद्योगिकियां भिन्न हैं तथापि अंतिम उत्पाद में तुलनीय विशिष्टताएं हैं। आयातित और स्वदेश में बिक्री किए गए उत्पाद तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इन दोनों उत्पादों का अदल-बदल कर उपयोग कर रहे हैं। याचिकाकर्ता कम्पनी द्वारा उत्पादित मेलामाइन और चीन से आयातित माल पाटनरोधी नियम 2(घ) के अनुसार समान वस्तु हैं।

"समान वस्तु" का तात्पर्य एक ऐसी वस्तु से है जो भारत में पाटित की जा रही विचाराधीन वस्तु से हर तरह से सदृश्य और समान है अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य वस्तु जो हालांकि सभी प्रकार से समान न हो, लेकिन उसमें विचाराधीन वस्तु से मिलती-जुलती विशेषताएं हों;

किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा समान वस्तु के बारे में कोई मुद्दा नहीं उठाया गया है।

निर्दिष्ट प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के बारे में प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

(घ) घरेलू उद्योग

आवेदन मैसर्स गुजरात राज्य उर्वरक एवं रसायन लि०, बड़ोदरा द्वारा प्रस्तुत किया गया है। आवेदक देश में इस उत्पाद का एकमात्र उत्पादक है और इसलिए कुल भारतीय उत्पादन में उसका हिस्सा बनता है। याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियम 2 (ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग बनने के आधार को पूरा करता है।

किसी हितबद्ध पक्षकार ने कोई मुद्दा नहीं उठाया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के बारे में प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

(ङ.) पाटन मार्जिन

(8) प्रकटन विवरण जारी करने के पश्चात निर्यातक द्वारा उठाए गए मुद्दे

(क) चीन जनवादी गणराज्य को शामिल करने संबंधी प्रोटोकॉल के पैरा 15(1) के द्वारा "यदि जांचाधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से यह प्रदर्शित कर सकता हो कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पाद

एवं बिक्री के बारे में समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां विद्यमान हैं जो, आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य कीमत तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग हेतु चीनी कीमत अथवा लागतों का उपयोग करेगा।"

(ख) "अनुबंध -4 भाग 2 शीर्षक सरकारी मार्गदर्शन में कीमत निर्धारण के अध्याधीन उत्पाद " मद सं. 4 - उर्वरक एचएस सं. 31021000 "यूरिया, जलीय घोल में अथवा नहीं " इसकी तुलना में इसमें संदर्भित उत्पाद एसएस सं. 3102100 वाला उर्वरक है, 27 फरवरी, 2004 की अधिसूचना द्वारा वर्तमान मामले में शुरू की गयी पाटनरोधी जांच सीमाशुल्क कोड 29336100 वाले मेलामाइन के बारे में। इससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार के मार्ग दर्शन में कीमत निर्धारण वाले उत्पाद का संदर्भ उस उत्पाद से एकदम भिन्न है जिसके बारे में पाटनरोधी शुल्क की जांच शुरू की गयी है।

(ग) "आवेदक जीएसएफसी द्वारा जिस प्रोटोकोल पर विश्वास किया गया था उसने वर्ष 2001 की प्रति प्रदान की थी। यही प्रोटोकोल चीन के लिए यह आवश्यक बनाता है कि वह आवधिक रूप से प्रत्येक छः माह में शनैः शनैः अनुपालन करते हुए और नियंत्रण कम करते हुए में अधिसूचना जारी करें और कोई अधिसूचना जारी नहीं की जाती है और इसलिए इन दस्तावेजों को निर्णायक साक्ष्य के रूप में न माना जाय।

(घ) मैं तियानजिन काइवेई बाजार अर्थव्यवस्था की दर्शाओं में प्रचालन करती है और मैं तियानजिन काइवेई को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया जाना चाहिए।

(9) प्रकटन विवरण जारी होने के बाद घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए मुद्दे

(क) "परिकलित सामान्य मूल्य: सामान्य मूल्य का परिकलन अंतर्राष्ट्रीय बाजार में यूरिया की कीमत पर विचार करते हुए किया गया है। तथापि, ऐसा प्रतीत होता है कि जीएसएफसी की अमोनिया की उत्पादन लागत के आधार पर उप उत्पाद (अमोनिया) के लिए समायोजन प्रदान किया गया है।"

(ख) " इस प्रकार यह देखा जाता है कि कच्ची सामग्री और उत्पादन प्रक्रिया से उत्पन्न उप उत्पाद के लिए अलग-अलग पद्धति अपनायी गई है। याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि कच्ची सामग्री की कीमतों और उत्पादित उप उत्पाद दोनों के लिए एक समान पद्धति को अपनाया जा सकता है। या तो दोनों को उत्पादन लागत के आधार पर लिया जा सकता है या फिर बाजार/अंतर्राष्ट्रीय कीमत के आधार पर लिया जा सकता है (यद्यपि घरेलू उद्योग का यह विचार है कि गैर क्षतिकारक कीमत के प्रयोजनार्थ यूरिया की उत्पादन लागत और अमोनिया की उत्पादन लागत पर विचार किये जाने की आवश्यकता है)

(ग) "यह मालूम होता है कि चीन के उत्तरदाता निर्यातक को दिये गए कीमत समायोजन उन समायोजनों से बहुत भिन्न हैं जो प्रारंभिक जाँच परिणामों में दिए गए थे। उसका कारण यह है कि याचिकाकर्ता ने पहले निर्यात कीमत गणनाओं में प्रदान किए गए कीमत समायोजनों के लिए अपनाये गए आधार और पद्धति का विस्तृत रूप से प्रकटन करने का अनुरोध किया था। हालांकि याचिकाकर्ता इस बात को पूर्णतः मानते हैं कि इस लेख से संबंधित वास्तविक राशि गोपनीय हो

सकती है परंतु उनका विचार यह है कि अपनाये गए आधार और पद्धति के प्रकटन से अन्य हितबद्ध पक्षकारों के हितों पर किसी भी प्रकार से प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।"

(घ) 'याचिकाकर्त्ता यह समझते हैं कि भारत को किए गए समग्र पोतलदान एक व्यापारिक कम्पनी द्वारा किए गए हैं तथापि संबंधित व्यापारिक कम्पनी द्वारा प्रश्नावली का कोई उत्तर दिया गया प्रतीत नहीं होता है । इन परिस्थितियों में याचिकाकर्त्ता उस आधार के बारे में स्पष्ट रूप से नहीं जानता जिससे उत्पादक को निर्यात कीमत का दावा करने की अनुमति प्राप्त हुई । यह भी अस्पष्ट है कि क्या भारत को शुरूआती निर्यात कीमत वही कीमत है जिस पर भारतीय ग्राहक को माल भेजा गया है अथवा शुरूआती निर्यात कीमत वह है जिस पर उत्पादक ने व्यापारी को माल भेजा है । याचिकाकर्त्ता ने इस संबंध में उचित स्पष्टीकरण देने का अनुरोध किया है ।"

(10) प्राधिकारी के विचार

निर्यातक ने अभिगम प्रोटोकॉल के उद्धरण दिए हैं । यदि इन उद्धरणों को समग्र पाठ के साथ पढ़ा जाए तो प्रोटोकॉल के आशय के साथ-साथ प्राधिकारी के निष्कर्षों को पाटनरोधी नियमावली के पैरा-7 और पैरा-8 की दृष्टि से उत्तम ढंग से समझा जा सकता है । इस उत्पाद के विनिर्माण के संबंध में समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में व्याप्त बाजार की आर्थिक स्थितियों को स्पष्ट रूप से दर्शाने के लिए जाँचाधीन उत्पादकों के संबंध में भी उद्धृत उद्धरणों की आवश्यकता है । इस मामले में यूरिया मुख्य कच्ची सामग्री है जिसमें उत्पाद की समस्त लागत का लगभग 40% हिस्सा शामिल होता है और इसकी कीमतें राज्य द्वारा निर्देशित होती हैं जैसा कि अभिगम प्रोटोकॉल के अनुबंध-III और IV में दिया गया है । कच्ची सामग्री की कीमत निर्धारण में उस सीमा तक बाजार की अर्थव्यवस्था की स्थितियाँ व्याप्त मालूम नहीं होती हैं हालाँकि यूरिया उर्वरक की श्रेणी के अंतर्गत उल्लिखित है परन्तु यूरिया के विभिन्न उपयोगों के बारे में कोई स्पष्ट अथवा अप्रत्यक्ष संदर्भ भी नहीं है और कीमत के दिशा-निर्देश अथवा कोटो के प्रयोजनार्थ अंतिम प्रयोग के अनुसार भी विभेद नहीं है । भारत को निर्यात निर्यातक द्वारा सीधे किये गए थे । निर्यात कीमत के संबंध में कीमत समायोजन जो चीन के उत्तरदाता निर्यातक को दिए गए थे निर्यातक द्वारा दावा किए गए वास्तविक समायोजनों के अनुसार हैं और सत्यापन दौरे के समय उनकी पुष्टि की गई थी ।

निर्यातक का सामान्य मूल्य चीनी निर्यातक के लिए उत्पादन की लागत के आधार पर परिकलित किया गया था जिसकी गणना यूरिया की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों को लेकर की गई थी । (यूरिया की लागत कच्ची सामग्री की लागत की 97% और मेलामाइन की उत्पादन लागत की लगभग 40% होती है) । कच्ची सामग्री की लागत को उपयोगिताओं और बिक्री की परिकलित लागत, घरेलू उद्योग के सामान्य और प्रशासनिक खर्चों में जोड़ा गया था । अमोनिया के लिए ऋण संबंधी समायोजन घरेलू उद्योग द्वारा किए गए दावों के आधार पर दिए गए हैं जो पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुरूप हैं 'गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण - किसी (अन्य) उचित आधार (समान वस्तु के लिए भारत में वास्तविक रूप से अदा की गई अथवा देय कीमतों सहित) पर किया जाएगा जिसमें, यदि आवश्यक हो तो, उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत समायोजन किया जा सकता है ।'

2697 5702

(11) बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार

बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के प्रयोजनार्थ पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध -1 के पैरा - 8 में निम्नानुसार व्यवस्था है :-

(1) "गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश" शब्दों का अभिप्राय यह है कि कोई देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी इस रूप में निर्धारित करें कि वह देश उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के अनुसार लागत के बाजार सिद्धांतों अथवा कीमत निर्धारण ढांचे पर प्रचालन नहीं कर रहा है जिससे ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की बिक्रियां पण्य वस्तुओं के उचित मूल्य को प्रदर्शित न करती हों।

(2) यह एक परिकल्पना होगी कि कोई देश जिसे जांच से पहले के तीन वर्ष के दौरान पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यूटीओ के किसी सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है अथवा समझा गया है एक गैर-बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश है।

बशर्ते, तथापि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश अथवा ऐसे देश की संबंधित फर्में निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर ऐसी परिकल्पना का खंडन कर सकते हैं जो यह साबित करे कि ऐसा देश उप-पैरा(3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या:-

(क) प्रौद्योगिकी की कच्ची सामग्रियों की लागत और श्रम, निविष्टि बिक्रियां और निवेश समेत कीमतों, लागतों और निविष्टियों के बारे में ऐसे देश में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य के अधिक हस्तक्षेप के बिना क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत बाजार मूल्यों को पर्याप्त रूप से प्रदर्शित करती है;

(ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसम्पत्तियों के मूल्य ह्रास, अन्य बट्टे खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;

(ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और सम्पत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और

(घ) विनिमय दर का परिवर्तन बाजार की दर पर किया जाता है;

तथापि बशर्ते कि इस पैराग्राफ में विनिर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित में पर्याप्त साक्ष्य द्वारा यह प्रदर्शित हो जाय कि पाटनरोधी जांचों के अध्यधीन इस प्रकार की एक अथवा अधिक फर्मों के लिए बाजारी दशाएं विद्यमान हैं तो, निर्दिष्ट प्राधिकारी इस पैराग्राफ में निर्धारित सिद्धांतों के बजाय 1 से 6 पैराग्राफों में निर्धारित सिद्धांतों का प्रयोग कर सकता है।

"(4) उप पैराग्राफ (2) में उल्लिखित किसी बात के होते हुए भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे किसी देश को बाजार अर्थव्यवस्था देश मान सकता है जिसे संबंधित मानदंडों के नवीनतम ब्यौरेवार मूल्यांकन के आधार पर जिसे उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मानदंड भी शामिल हैं पर किसी सार्वजनिक दस्तावेज में ऐसे मूल्यांकन के प्रकाशन द्वारा किसी ऐसे देश ने जो विश्व व्यापार संगठन का सदस्य है पाटनरोधी जाँचों के प्रयोजनार्थ एक बाजार अर्थव्यवस्था देश माना है अथवा मानने का निश्चय किया है।"

(12) इस मामले को 10 सितम्बर, 2003 को शुरू किया गया था और पहले विस्तृत निवेदन 7 नवम्बर, 2003 तक प्राप्त किए जाने थे जाँच अवधि अप्रैल, 2002 से जून, 2003 तक थी। चीन जन.गण. को जाँच प्रारंभ करने की तारीख तक विश्व व्यापार संगठन के किसी अन्य सदस्य देश द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं माना गया है।

(13) चीन को यूरोपीय आयोग और अमरीका द्वारा पिछले तीन वर्षों में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना गया है। यूरोपीय संघ और अमरीका डब्ल्यूटीओ के सदस्य हैं। भारत में भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना है।

(14) मै. तियानाजिन काइवेई कैमिकल कं. लि. ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया था निर्यातकों ने भी बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार/अलग व्यवहार का दावा करते हुए सूचना प्रस्तुत की थी। प्राधिकारी द्वारा प्रौद्योगिकी उत्पादन लागत, घरेलू बाजार में कारखाना द्वार पर कीमत और भारत को निर्यातों की कारखानाद्वार पर बिक्री कीमत के बारे में भी स्पष्टीकरण माँगे गए हैं।

(15) मेलामाइन के उत्पादन के लिए यूरिया मुख्य कच्ची सामग्री है। डब्ल्यूटीओ के ~~समक्ष~~ चीन जन.गण. द्वारा हस्ताक्षर किए गए प्रोटोकॉल के अनुसार यूरिया चाहे वह पानी का घोल हो या नहीं निम्नलिखित के अंतर्गत एक उत्पाद के रूप में सूचीबद्ध है।

- (क) आयात हेतु राज्य व्यापार के अधीन आने वाले उत्पाद;
- (ख) आयात लाइसेंस, आयात कोटा तथा आयात टेंडरिंग के अधीन आने वाले उत्पाद;
- (ग) सरकारी मार्गदर्शी कीमत निर्धारण के अंतर्गत आने वाले उत्पाद;

उपर्युक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि कच्ची सामग्री की कीमत के संबंध में चीन की फर्मों के निर्णय, आपूर्ति एवं मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों पर पूर्णतः आधारित नहीं होते हैं तथा इस संबंध में वे राज्य की पर्याप्त दखलंदाजी से मुक्त नहीं हैं।

(16) चीन में सामान्य मूल्य

इस उद्देश्य के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी नियमावली के पैरा 7 के अनुबंध-1 के अनुसार वास्तव में भारत में देय कीमत के आधार पर किया गया है। निर्यातकों के सत्यापन के दौरान, यह प्रमाणित हो गया कि स्थानीय पार्टियों द्वारा जिन दो कंपनियों से जाँच अवधि के दौरान *** डॉलर/मी.टन की दर पर यूरिया की खरीद की गई उनमें से एक

निजी कंपनी एवं दूसरी चीन में राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी थी। अतः चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य का निर्धारण, प्राधिकारी द्वारा भारत में निश्चित की गई उत्पादन लागत के आधार पर किया जाता है। भारत में समान वस्तु की उत्पादन लागत, कच्ची सामग्री (यूरिया) के लिए अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के आधार पर उचित रूप से समायोजित की गई है। अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण उचित लाभों को जोड़ने के पश्चात उपर्युक्तानुसार उत्पादन की लागत के आधार पर किया जाता है।

पाटन मार्जिन की गणना के उद्देश्य से सामान्य मूल्य **** अम0डॉ/मी.टन बनता है।

(17) निर्यात कीमत :

निर्यातक द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत का सत्यापन जांच अवधि के दौरान वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय के आयातक के आंकड़ों तथा सौदेवार आयात संबंधी आंकड़ों के साथ किया गया था। निर्यातक के सत्यापन की कार्रवाई में जांच अवधि के दौरान निर्यातों के बीजकों का परीक्षण किया गया था तथा एफ ओ बी पूर्व एवं एफ ओ बी के पश्चात किए गए समायोजनों के विश्लेषण के बाद (समुद्री भाड़ा; समुद्री बीमा; चीन में पत्तन प्रभार; चीन में अंतर्देशीय भाड़ा; ब्याज; कमीशन) कारखाना द्वार कीमत, सहयोगी उत्पादक/निर्यातक के लिए *** डॉ/मी.टन एवं असहयोगी निर्यातकों के लिए *** डॉ/मी.टन ली गई थी। असहयोग को विफल करने के लिए, सहयोगी निर्यातक की न्यूनतम निर्यात कीमत को असहयोगी निर्यातकों की निर्यात कीमत के रूप में लिया गया है।

(18) पाटन मार्जिन :

उपर्युक्त विवरणों के अनुसार सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत पर विचार करते हुए, पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है। पाटन मार्जिन, सहयोगी निर्यातक मै0 तियानजिन काइवेई केमिकल कं. लि. के मामले 6.5% तथा चीन जन.गण. के असहयोगी निर्यातकों के मामले में 31.6% है।

क्षति विश्लेषण एवं कारणात्मक संबंध

(19) प्रकटन विवरण के जारी किए जाने के पश्चात निर्यातक द्वारा उठाए गए मुद्दे

- क. बिक्री मात्रा पर बिल्कुल प्रभाव नहीं पड़ा है,
- ख. बिक्री कीमतों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है,
- ग. मार्जिन, पिछले तीन वर्षों के औसत से बेहतर है,
- घ. उत्पादन को अंतिम माल सूची को कम करके कृत्रिम रूप से सीमित किया गया है और यदि माल सूची के समायोजन के कारण इस नकारात्मक प्रभाव को निष्क्रिय कर दिया जाए तो उत्पादन में प्रभाव 1% प्रति वर्ष से कम का बनता है।

- ड. मेलामाइन की उत्पादन लागत निम्नलिखित फिजूलखर्ची के कारण बढ़ी है;

- i पिछले दो वर्षों में भारी घाटे के कारण अत्यधिक ऊपरी खर्च,
- ii उत्पादन की प्रक्रिया बदलना और कम क्षमता उपयोग के मद्देनजर उत्पादन शुरू करना जिससे अक्रियाशील समय की लागत बढ़ी जिससे मेलामाइन की उत्पादन लागत में से अक्रियाशील समय की लागत की अनुमति न देना जरूरी बन जाता है ।
- च. जी एस एफ सी ने अपनी उत्पादन लागत से कम कीमत पर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में उसी उत्पाद का पाटन किया था ।
काइवेई से मेलामाइन के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का कोई औचित्य नहीं है ।

(20) प्रकटन विवरण जारी होने के बाद घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए मुद्दे

- (क) **क्षति रहित कीमत :** इष्टतम उत्पादन लागत का आकलन " औद्योगिक उपयोग हेतु जी एस एफ सी द्वारा यूरिया की बिक्री कीमत " पर विचार करने के बाद किया गया है। तथापि सह उत्पाद (अमोनिया) के लिए समायोजन जी एस एफ सी की अमोनिया की उत्पादन लागत के आधार पर प्रदान किया गया है ।
- (ख) इस प्रकार यह देखा जा सकेगा कि कच्ची सामग्री और उत्पादन प्रक्रिया से उत्पन्न सह उत्पाद के लिए अलग-अलग पद्धति का प्रयोग किया गया है । याचिकाकर्ता का यह अनुरोध है कि कच्ची सामग्री तथा उत्पन्न सह उत्पाद दोनों के लिए एकीकृत पद्धति पर विचार किया जाए । दोनों की या तो उत्पादन लागत पर विचार किया जाए या फिर दोनों की बाजार/अंतर्राष्ट्रीय कीमत पर विचार किया जाए (यद्यपि घरेलू उद्योग का यह विचार है कि क्षति रहित कीमत के प्रयोजनार्थ यूरिया की उत्पादन लागत तथा अमोनिया की उत्पादन लागत पर विचार किया जाना जरूरी है) ।

(21) प्राधिकारी के विचार

- (क) कंपनी ने उत्पाद विशिष्ट विस्तृत लागत रिकॉर्ड रखा जिसका सत्यापन निदेशालय द्वारा किया गया है और उसने लागत संबंधी ऐसी सूचना से उत्पादन लागत संबंधी सूचना उपलब्ध कराई है । अन्य उत्पाद की किसी लागत को मेलामाइन में नहीं जोड़ा गया है ।

(ख) याचिकाकर्ता ने भंडार सूचियों के उच्च स्तर का सामना किया क्योंकि वह बाजार में पाटित सामग्री की उपलब्धता के कारण बाजार में सामग्री की बिक्री नहीं कर सका । उच्च भंडार सूचियों का कारण बाजार में उत्पाद का पाटन रहा है । उत्पादन में गिरावट का कारण भंडार सूचियों का उच्च स्तर रहा था । भंडार सूचियों का उच्च स्तर स्पष्ट तौर पर बाजार में पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण रहा था जिससे घरेलू उद्योग, उत्पाद की बिक्री नहीं कर सका ।

(ग) घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में भारी गिरावट आई । घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत अलाभकारी रही और घरेलू उद्योग ने कीमत कटौती का सामना किया जिसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप आयात की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि हुई । घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में बाजार

मांग के हिसाब से वृद्धि नहीं हुई इस प्रकार घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा इष्टतम से कम रही थी। तथापि, घरेलू उद्योग अलाभकारी कीमत पर सामग्री प्रस्तुत करने के बाद ही उत्पाद की बिक्री कर सका।

(घ) समूची जांच अवधि के दौरान उत्पादन के माहवार ब्यौरों से यह देखा जा सकेगा कि कंपनी ने लगभग 13 हजार मी.टन का उत्पादन किया होगा।

(ड.) याचिकाकर्ता ने अपने लिखित अनुरोधों के साथ मास दर मास आधार पर अपनी बिक्री कीमत दर्शाते हुए एक विवरण उपलब्ध कराया है। उत्पाद की कीमतों में भारी और बार-बार घट-बढ़ हुई है। ऐसा इस वजह से हुआ है कि कंपनी को बाजार में जब-जब अत्यधिक मात्रा में आयात हुए थे तब कम कीमत पर हुए आयातों का सामना करना पड़ा था। इससे यह पता चलता है कि जब कभी कंपनी ने अपनी कीमतें कम कीं उसकी बिक्री अच्छी मात्रा में हुई। लेकिन कंपनी को भारी वित्तीय घाटा हुआ। जब कंपनी ने कीमत बढ़ाने का प्रयास किया उसकी बिक्री मात्रा घट गई।

(22) पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के विश्लेषण हेतु मापदंडों की सूचीकृत तालिका निम्नानुसार है। क्षति अवधि अप्रैल, 1999 से जून, 2003 तक की है।

क्र.सं.	विवरण	इकाई	1999-00	2000-01	2001-02	(अप्रैल 2002 - जून 2003) जांच अवधि
						वार्षिक
1	बिक्री	सूचीबद्ध	100.00	287.02	264.76	267.27
2	उत्पादन लागत एवं बिक्री	सूचीबद्ध	100.00	118.58	113.70	135.61
	बिक्री प्राप्ति	सूचीबद्ध	100.00	105.47	118.85	130.37
	लाभ/हानि (रुपए/ मी.टन)	सूचीबद्ध	-100.00	-187.82	-86.50	-163.30
	लाभ/हानि (रुपए)	सूचीबद्ध	-100.00	-539.08	-229.01	-436.44
3	बाजार हिस्सा					
	चीन से आयात	मी.टन	894	80	295	1850.4
	अन्य देश	मी.टन	4813	168	500	1415.2
	कुल आयात	मी.टन	5707	248	795	2965.6
	बाजार हिस्सा					
	चीन	%	15.66	32.26	37.11	62.39
	अन्य देश	%	84.34	67.74	62.89	37.61
	मांग	सूचीबद्ध	100.00	115.29	112.38	136.47
4	मांग में बाजार हिस्सा					
	चीन	सूचीबद्ध	100.00	7.76	29.5	151.3
	घरेलू उद्योग	सूचीबद्ध	100.00	248.96	235.57	195.85
5	उत्पादन की तुलना में चीन से आयात का %	सूचीबद्ध	100.00	9.18	30.92	269.57

6	उत्पादकता	सूचीबद्ध	100.00	63.81	75.78	58.89
7	लगाई गई पूँजी पर आय	सूचीबद्ध	100.00	-217	65.46	-53.28
8	क्षमता उपयोग	सूचीबद्ध	100.00	97.50	106.71	76.77
9	पाटन मार्जिन की मात्रा	पाटन मार्जिन 6.5 % से 31.6 % की रेंज में है				
10	नकद प्रवाह/नकद लाभ	सूचीबद्ध	100.00	-872.37	-160.05	-589.93
11	माल सूची	सूचीबद्ध	100.00	33.12	47.18	15.44
12	रोजगार	सूचीबद्ध	100.00	152.80	140.80	130.40
13	वेतन	सूचीबद्ध	100.00	100.68	110.26	131.84
14	पूँजी उगाहने की क्षमता			कंपनी को लगाई गई पूँजी पर नकारात्मक आय हुई है। इसके साथ ही सृजित क्षमता देश की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। अतः अभी विस्तार की कोई गुंजाइश नहीं है।		
15	वृद्धि		नकारात्मक			

(23) मात्रात्मक प्रभाव:

चीन से आयातों में सापेक्ष रूप से और भारत में उत्पादन तथा उपभोग की तुलना में भी अत्यधिक वृद्धि हुई है। डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार और घरेलू उद्योग की बिक्रियों, आयात की मात्रा एवं बाजार हिस्से से यह पाया गया है कि:

चीन से आयातों के हिस्से में भारत में आयातों की तुलना में मूल्य एवं मात्रा दोनों रूपों में वृद्धि हुई है:

भारत में उपभोग/मांग की तुलना में चीन से आयातों के हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है;

भारत में उत्पादन की तुलना में चीन से आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

संबद्ध देश से आयातों में वृद्धि का प्रत्यक्ष परिणाम घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट के रूप में हुआ है। इसके साथ-साथ संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि प्रदर्शित हुई है और घरेलू उद्योग की बिक्रियाँ घरेलू उद्योग द्वारा किए गए उत्पादन तथा सृजित क्षमता से कम हैं। इसके परिणामस्वरूप माल सूची में वृद्धि हुई है।

(24) कीमत प्रभाव:

10-20 % की रेंज में कीमत कटौती हुई हैं और 10-30 % की रेंज में कम कीमत पर बिक्री हुई है।

निवल बिक्री प्राप्ति में मामूली सी वृद्धि हुई है परन्तु यह उत्पादन लागत और बिक्री में हुई वृद्धि के अनुपात में नहीं है। इसके परिणामस्वरूप संबद्ध वस्तु के लिए नकद लाभ में कमी हुई है।

(25) बिक्री में प्राकृतिक एवं संभावित कमी

घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में वृद्धि नहीं हुई है। देश में उत्पाद की मांग में वृद्धि के बावजूद मंद वृद्धि और बिक्री मात्राओं में मामूली गिरावट; अत्यधिक अप्रयुक्त क्षमताओं के साथ घरेलू उद्योग द्वारा उच्चतर उत्पादन; घरेलू उद्योग द्वारा दी जा रही कम कीमतों से भारत में संबद्ध वस्तु की बिक्री पर पाटित वस्तु के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभाव दोनों का संकेत मिलता है। निवल बिक्री प्राप्ति 40000 रुपए/मी.टन से 60000 रुपए/मी.टन के बीच में रही।

यद्यपि घरेलू उद्योग ने बिक्री की कुछ मात्रा को बनाए रखा है तथापि उसके लाभों में अत्यधिक कमी हुई है। इसके अतिरिक्त, लाभप्रदता में 2001-02 में कुछ सुधार होने के बाद उसमें पुनः गिरावट आई थी।

वर्ष 2000-2001 में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता प्रतिकूल रही थी। घरेलू उद्योग ने बिक्री कीमत, बिक्री मात्रा और उत्पादन में समायोजन करके माल सूची को कम करने का प्रयास किया। वर्ष 2000-2001 में घरेलू उद्योग के पास स्टॉक में लगभग एक वर्ष की सामग्री थी। अतः कंपनी कीमतों को घटाने के लिए बाध्य हुई थी। कीमतों में इस कमी के फलस्वरूप काफी हद तक माल सूची में कमी हुई। तथापि, 2001-2002 में लाभप्रदता में सुधार लाने के बाद घरेलू उद्योग जाँच अवधि में पुनः कम लाभप्रदता का वहन करने के लिए बाध्य हुआ था।

(26) उत्पादन

घरेलू उद्योग द्वारा मेलामाइन के उत्पादन में अत्यधिक गिरावट आई है। देश में उत्पाद की मांग में अत्यधिक वृद्धि के बावजूद याचिकाकर्ता के पास अप्रयुक्त क्षमता है।

(27) उत्पादकता

इसके एक सतत जारी रहने वाली प्रक्रिया होने के कारण उद्यम के उत्पादन में गिरावट आने के परिणामस्वरूप उत्पादकता में प्रत्यक्ष रूप से गिरावट आई है।

वेतन के स्तर में वृद्धि हुई है हालाँकि 2000-01 से रोजगार में मामूली तौर पर गिरावट आई है।

(28) लगाई गई पूँजी पर आय

लगाई गई पूँजी पर आय में भारी गिरावट आई है। इसके अतिरिक्त, लाभप्रदता की प्रवृत्ति की तरह घरेलू उद्योग ने 2001-2002 में लगाई गई पूँजी पर अपनी आय में सुधार किया था परन्तु जाँच अवधि में पुनः उसमें गिरावट आई।

(29) क्षमता उपयोग

चूँकि सृजन की गई क्षमताओं में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है अतः क्षमता उत्पादन की प्रवृत्ति उत्पादन की प्रवृत्ति की ही भांति रही है। घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में उत्पादन में गिरावट के परिणामस्वरूप गिरावट आई। देश में उत्पाद की सकारात्मक तथा बढ़ती हुई मांग के बावजूद घरेलू उद्योग के पास अप्रयुक्त क्षमताएँ थीं।

(30) पाटन मार्जिन की मात्रा

चीन से आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन 6.5 % से 31.6 % के बीच में रहा है। संबद्ध वस्तु के पाटन का प्रभाव अत्यधिक था और वह कीमत एवं मात्रात्मक प्रभाव दोनों के रूप में प्रकट हुआ है।

(31) नकद प्रवाह पर वास्तविक एवं संभावित नकारात्मक प्रभाव

घरेलू उद्योग की प्रतिकूल लाभप्रदता से अवगत नकद लाभ के रूप में घरेलू उद्योग के नकद प्रवाह पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था।

मालसूची:-

घरेलू उद्योग के पास पहले माल सूचियों का काफी उच्च स्तर था। माल सूचियों का स्तर अभूतपूर्व था। घरेलू उद्योग द्वारा कीमत कम करने के परिणामस्वरूप माल सूची के स्तर कम हो गए। तथापि, इससे लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था और घरेलू उद्योग उत्पादन और क्षमता उपयोग के स्तरों को इष्टतम नहीं बना पाया था।

वृद्धि:-

उत्पादन और माल सूचियों में कमी के साथ मांग में एक सकारात्मक वृद्धि दर्ज होने के बावजूद जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने विक्रियों की वृद्धि में मामूली परिवर्तन दर्ज किया था।

(32) पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता

याचिकाकर्ता एक बहु-उत्पाद कंपनी है और इसलिए यद्यपि अन्य उत्पाद इस उत्पाद की किसी उत्पावधि पूंजी अपेक्षा का समर्थन करने में सक्षम हो सकते हैं लेकिन घरेलू उद्योग के दीर्घावधि प्रतिकूल कार्य निष्पादन से पूंजी जुटाने की कंपनी की समग्र सक्षमता पर कुल मिलाकर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था।

(33) अन्य देशों से आयातों की मात्रा तथा मूल्य

यद्यपि उत्पाद को कई देशों से आयात किया जा रहा था लेकिन अन्य देशों से आयात कीमतें अपेक्षाकृत अधिक थीं और उनसे कीमत कटौती नहीं हो रही थी अथवा आयातों की मात्रा न्यूनतम थी। चीन से होने वाले आयातों में अन्य देशों से होने वाले आयातों की तुलना में काफी वृद्धि हुई थी।

2657 G.I/04-4

(34) कीमत कटौती

घरेलू उद्योग की भारत औसत निवल बिक्री वसूली की आयातों के पहुँच मूल्य के साथ तुलना करने से निर्धारित की गई कीमत कटौती से यह प्रदर्शित होता है कि आयातों का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है जिसके परिणामस्वरूप 10-20 % के बीच कीमत कटौती हुई ।

(35) निवल बिक्री वसूली का निर्धारण छूटों/कटौतियों, कमीशन, करों और शुल्कों को छोड़कर किया गया था । निवल बिक्री वसूली 40000 रुपए प्रति मी.टन से 60000 रुपए प्रति मी.टन के बीच थी ।

(36) कम कीमत पर बिक्री

कम कीमत पर बिक्री घरेलू उद्योग के भारत औसत क्षतिरहित कीमत की भारत में संबद्ध वस्तुओं के आयातों के पहुँच कीमत से तुलना करने से प्राप्त हुई है । पाटित वस्तुओं की कम कीमत पर बिक्री से घरेलू उद्योग को उन कीमतों से वंचित होना पड़ा जो इसे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री से प्राप्त होनी चाहिए थी । कम कीमत पर बिक्री 10-30 % की सीमा तक थी ।

(37) कीमत ह्रास

यद्यपि संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत में वृद्धि के कारण बिक्री वसूली में वृद्धि हुई है परन्तु पाटित आयातों का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से कम था ।

(38) क्षति विश्लेषण संबंधी निष्कर्ष और कारणात्मक संबंध

क्षति संबंधी तालिका, जैसी कि ऊपर उल्लिखित है, के विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि संबद्ध देशों से आयात में वृद्धि हुई है और संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा भी बढ़ा है जबकि घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा उसी सीमा तक कम हुआ है । इसके परिणामस्वरूप क्षमता उपयोग और उत्पादकता में कमी की स्थिति उत्पन्न हुई । यद्यपि वर्ष 1999-2000 की तुलना में माल सूचियों का परिशोधन कर दिया गया है, फिर भी कंपनी द्वारा अंतिम स्टॉक को तुलनात्मक रूप से उच्च स्तर पर बनाए रखा गया है ।

पाटित आयातों से सकारात्मक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हुई । यद्यपि निवल बिक्री वसूली में क्रमिक वृद्धि हुई है, तथापि यह वृद्धि समान वस्तुओं की उत्पादन लागत में वृद्धि के अनुरूप नहीं रही है । क्षति अवधि में लगाई गई पूंजी पर नकद लाभ और आय में कमी आई है ।

पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का विश्लेषण करने के लिए सरकार की नीतियों से संबंधित मुद्दों, जिनका कंपनी के वित्त से संबंध होता है, और निर्यात निष्पादन को अलग-अलग कर दिया गया है । पाटित आयात न्यूनतम स्तर से अधिक हैं और प्रयोक्ताओं में उपभोग की पद्धति में किसी परिवर्तन के बिना समान वस्तुओं की मांग में वृद्धि हुई है । अंतिम प्रयोक्ताओं ने घरेलू उत्पाद और अपने उत्पाद दोनों का अंतर्बदल उपयोग किया । प्रयोग की गई प्रौद्योगिकी समान हैं तथापि, प्रौद्योगिकियों में सूक्ष्म अंतर, यदि कोई कोई भी, से प्रयोक्ता उद्योग के प्रयोग के लिए बने अंतिम उत्पाद पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है । घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गयी व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं संबंधी कोई भी सूचना प्राधिकारी के ध्यान में नहीं लाई गई है ।

(39) पहुँच मूल्य

इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 और 9 क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सभी प्रकार के सीमाशुल्क होंगे।

आयातों के पहुँच मूल्य का निर्धारण सी आई एफ आयात कीमत (डी जी सी आई एस के स्रोतों से) जमा 1 प्रतिशत पहुँच प्रभार और जांच अवधि के लिए लागू मूल सीमाशुल्कों के रूप में किया गया है।

(40) गैर-क्षतिकारक कीमत (एन आई पी) का परिकलन करने की पद्धति

प्राधिकारी ने आवेदक कंपनी द्वारा प्रस्तुत सूचना का विस्तृत विश्लेषण और जांच तथा सत्यापन के बाद संबद्ध वस्तु की गैर क्षति कारक कीमत निर्धारित की थी।

उत्पादन और उत्पादन प्रक्रिया से संबंधित सभी संगत घटकों से संबंधित लागत सूचना जांच अवधि के लिए और पहले के वर्षों के लिए निर्धारित प्रपत्रों में मांगी गई थी। घरेलू उद्योग के लिए संबद्ध वस्तु के उत्पादन की वास्तविक लागत को सामान्यतः स्वीकृत गणना सिद्धांतों के आधार पर इष्टतम उत्पादन लागत का निर्धारण करने के लिए प्रयोग किया गया है। घरेलू उद्योग के लिए गैर क्षति कारक कीमत के निर्धारण में प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के उत्पादन में प्रयुक्त कच्ची सामग्री की लागत, उसकी खपत, विद्युत, जल आदि जैसी उपयोगिताओं की लागत, श्रम लागत, मूल्य ह्रास लागत, बिक्री और प्रशासनिक खर्च और ब्याज की लागत सहित सभी संबंधित घटकों की ब्यौरे वार जांच और विश्लेषण किया है। संयंत्रों में किए गए निवेश और क्षमता उपयोग जैसे घटकों की भी लागत विश्लेषणों में जांच की गयी है। इन सभी घटकों का निर्धारण मूल लेखा बहियों और उत्पादन तथा वित्तीय विवरणों के संदर्भ में किया गया है। घरेलू उद्योग के लिए गैर क्षतिकारक कीमत का निर्धारण आवेदकों द्वारा नियोजित पूंजी पर उचित लाभ मार्जिन की उत्पादन लागत में जोड़कर किया गया है।

(41) भारतीय उद्योग का हित तथा अन्य मुद्दे

घरेलू उद्योग की पर्याप्त क्षमता है और और इसे उत्पादित मेलामाईन को प्रयोक्ताओं द्वारा आयातित उत्पाद के साथ परस्पर परिवर्तन के साथ प्रयोग किया जाता है। ऐसे व्यापार चैनलों को देश के भीतर मेलामाईन की बिक्री के लिए प्रयोग किया जाता है।

मैसर्स जी एफ एस सी पर सरकार ने खपत के कड़े मानकों, अंतर्राष्ट्रीय मानकों के दक्षता मानदंडों और उर्वरक के रूप में यूरिया के प्रयोग के लिए लाभकारी प्रौद्योगिकी की अनुमति दिए बगैर क्षमता उपयोग के आदर्श स्तर लागू कर दिए हैं।

प्राधिकारी मानते हैं कि सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य अनुचित व्यापार प्रथाओं से घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः बहाल की जा सके जो देश के सामान्य हित में है।

प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि यद्यपि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तु के प्रयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है तथापि इन पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन की प्रक्रिया द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे और घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेंगा तथा उपभोक्ताओं के लिए सम्बद्ध वस्तु का व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी। पाटनरोधी उपाय लागू करने से सम्बद्ध देश से होने वाले आयात भी किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे, इसलिए उपभोक्ताओं को उक्त उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

निष्कर्ष

(41) पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद यह देखा जाता है कि :

(क) सम्बद्ध देश के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित समस्त रूपों में सम्बद्ध वस्तु का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।

(ख) घरेलू उद्योग को पाटित सम्बद्ध वस्तु की कम पहुँच कीमत के कारण कीमत कटौती/कम कीमत पर हुई बिक्री की वजह से कम निवल बिक्री प्राप्ति के कारण वित्तीय घाटे के रूप में वास्तविक क्षति भी हुई है।

(ग) घरेलू उद्योग को उक्त क्षति सम्बद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित सम्बद्ध वस्तुओं के पाटन द्वारा हुई है।

(घ) प्राधिकारी सम्बद्ध देश के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित अध्याय-29 के अंतर्गत आने वाली सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हैं।

(ङ.) प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के बराबर पाटनरोधी शुल्क अथवा उससे कम राशि की सिफारिश करने पर विचार किया जिससे पाटन के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो सके। तदनुसार, यह प्रस्ताव किया जाता है कि सम्बद्ध देश के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से नीचे उल्लिखित तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि तथा सम्बद्ध वस्तु के डॉलर/मी.टन में पहुँच मूल्य के बीच के अंतर के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।

क्र. सं.	उपशीर्ष	वस्तु विवरण	विनिर्देशन	मूलता का देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	संदर्भ कीमत (अम. डॉ. लर/मी. टन)
	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	29336100	मेलामाइन	मेलामाइन	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	तियांजिन काइवेई केमि.कं. लि.	तियांजिन काइवेई केमि.कं. लि.	1284.35
2	29336100	मेलामाइन	मेलामाइन	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	तियांजिन काइवेई केमि.कं. लि.	तियांजिन काइवेई के अलावा अन्य कोई निर्यातक	1456.78
3	29336100	मेलामाइन	मेलामाइन	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	तियांजिन काइवेई के अलावा अन्य कोई उत्पादक	तियांजिन काइवेई के अलावा अन्य कोई निर्यातक	1456.78
4	29336100	मेलामाइन	मेलामाइन	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. के अलावा अन्य कोई देश	तियांजिन काइवेई केमि.कं. लि.	कोई निर्यातक	1456.78
5	29336100	मेलामाइन	मेलामाइन	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. के अलावा अन्य कोई देश	तियांजिन काइवेई के अलावा अन्य कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1456.78
6	29336100	मेलामाइन	मेलामाइन	चीन जन. गण. के अलावा अन्य कोई देश	चीन जन. गण.	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1456.78

42. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील उपर्युक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी।

43. सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9(क)(5) के अंतर्गत समीक्षा हेतु कोई आवेदन निश्चयात्मक शुल्क की समाप्ति से 6 माह पूर्व दायर किया जा सकेगा।

2697 GI/04-5

अभिजित सेनगुप्त, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

FINAL FINDINGS

New Delhi, the 3rd September, 2004

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of Melamine from People's Republic of China - Final Findings.

No. 14/16/2003-DGAD:- Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Custom Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. Procedure followed after issue of preliminary findings are as follows:

- (1) Provisional duties were recommended on 27th February, 2004 and Customs Notification No. 53/2004 was issued on 02/04/04. No specific response was received on the preliminary findings from the interested parties.
- (2) Public hearing was held on 1st April, 2004. It was attended by M/s GSFC (domestic industry), M/s Kaiwei (exporter) and M/s Milton laminates (Importer).
- (3) Exporter's verification was carried out between 3rd – 5th May, 2004. Issues raised during the verification and the observations were informed to the exporter based on which additional response was furnished by the exporter.
- (4) Abbreviations/terms/values used:

a) Authority	Designated Authority
b) Subject Country	China PR
c) Subject Goods/ Product under consideration	Melamine
d) USD/\$	1 USD = Rs 48.4
e) RMB	1 USD = RMB 8.26
f) Domestic Industry/petitioner	GSFC
	Gujarat State Fertilizers & Chemicals Ltd
g) POI	Period of Investigation
h) Exporter ltd	M/s Tianjin Kaiwei Chemical Co
i) Customs Duty	2002-03 ---- 30%
	2003-04 ---- 25%

(5) Vide Rule 16 of the Custom Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995. Statement disclosing the essential facts under consideration before the Designated Authority was issued on 19th August, 2004. Interested parties were granted time upto 26th August, 2004 for a written response to the disclosure statement.

On request of the domestic industry and the cooperating exporter hearing was granted to them. Domestic industry was given extension to make submissions upto 30th August, 2004. The methodology of working out the normal value, export price, landed value and non-injurious price was explained during the hearing in addition to the clarifications given on specific issues raised by the domestic industry and the cooperating exporter.

(6) MOFCOM Government of China was also given reminders to respond to the request of market economy treatment by the cooperating exporter with specific regards to control of prices of Urea by the State.

(7) Only domestic industry and the cooperating exporter responded to the disclosure statement.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

Product under consideration in the present investigation is Melamine, a tasteless, odorless, and non-toxic substance. Melamine is used for making melamine formaldehyde, which in turn is used in producing down stream products. Melamine formaldehyde resin used for laminates offer good hardness, resistance to scratch, stain, water and heat.

Melamine has a dedicated Custom Sub Heading 29336100 of Chapter 29 of the Customs Tariff Act. The product falls under OGL category and is freely importable.

No issues have been raised on product under consideration by any interested party.

Designated Authority confirms the preliminary findings with regards to product under consideration.

C. LIKE ARTICLE

Melamine produced by the applicant and that imported from China PR are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical properties, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. Even though there are different manufacturing process/technologies involved for production of Melamine, the end product has comparable specifications. The imported and the domestically sold products are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two

interchangeably. Melamine produced by the petitioner company is a like article to the goods imported from China in accordance with the Anti-Dumping Rule 2(d) which provides as under:

"Like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the article under investigation;

No issues have been raised on like article by any interested party.
Designated Authority confirms the preliminary findings with regards to like article.

D. DOMESTIC INDUSTRY

The application was filed by M/s. Gujarat State Fertilizers & Chemicals Ltd., Vadodara. Gujarat State Fertilizers & Chemicals Ltd. is the sole producer of the product in the Country and, therefore, accounts for total Indian Production. The petitioner satisfies the standing within the meaning of the Anti Dumping Rule 2 (b).

No issues have been raised by any interested party.
Designated Authority confirms the preliminary findings with regards to domestic industry.

E. Dumping Margin

- (8) **Issues raised by the Exporter after issue of disclosure statement**
- (a) "Vide para 15(I) of the Protocol on the Accession of the People's Republic of China. "If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like products with regard to the manufacture of, production and the sale of that product, the importing WTO member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability."
 - (b) "Annexure 4 Part 2 titled "PRODUCTS SUBJECT TO GOVERNMENT GUIDANCE PRICING" item no. 4 – FERTILIZER HS No. 31021000 "Urea, whether or not in aqueous solution". The product reported therein is Fertilizer with HS No. 31021000 as against this, the Anti Dumping Investigation initiated in the present case vide notification dated 27th February, 2004 is in respect of Melamine with Custom Code 29336100. This clearly signified that the reference of the Product under Government Guidance Price is altogether different from the product in respect of which Anti Dumping Duty Investigation is initiated.
 - (c) "The Protocol relied upon by the Applicant G SFC had provided copy of year 2001. The very same Protocol makes it mandatory for China to issue notification periodically say every six months reporting gradual compliance

and dilution of control. No further notifications are furnished and therefore the documents may please not be treated as conclusive evidence.

- (d) M/s Tianjin Kaiwei operates in market economy conditions and M/s Tianjin Kaiwei should be granted market economy status.

(9) Issues raised by the Domestic Industry after issue of disclosure statement

- (a) **"Constructed normal value:** - The normal value has been constructed by considering price of urea in the international market. However, it appears that the adjustment for by product (ammonia) has been granted on the basis of ammonia cost of production of GSFC. "
- (b) "It would thus be seen that different methodology has been followed for raw material and by product generated out of production process. Petitioner requests that a uniform methodology may kindly be considered for both the raw material prices and by product generated. Either both may kindly be taken at cost of production or both may kindly be taken at market/international price (even though the domestic industry considers that for the purpose of non injurious price, the cost of production of urea and cost of production of ammonia are required to be considered)."
- (c) "It appears that the price adjustments given to the responding exporter from China are significantly different from what was given in the preliminary findings. It is for this reason that the petitioner had earlier requested detailed disclosure of basis and methodology adopted for price adjustments granted in export price calculations. While petitioner fully appreciates that actual amounts on this account could be confidential, petitioner considers that disclosure of the basis and methodology adopted would not in any manner adversely affect interests of other interested parties."
- (d) "Petitioner understands that entire shipments to India are by a trading company. However, no questionnaire response appears to have been filed by the concerned trading company. Under the circumstances, petitioner is unclear about the basis which allowed the producer to claim export price. It is unclear whether the starting export price to India is the price at which the goods have been invoiced to Indian customer or the starting export price is the price at which the Producer has invoiced the goods onto the Trader. Petitioner requests suitable clarification in this regard."

(10) Views of Authority

Exporter has quoted excerpts from the protocol of accession. If these excerpts are read with the entire text then the intent of the protocol as well as the conclusions of Authority could be best understood in light of para 7 and para 8 of

2697 GI/04-6

Anti Dumping Rules: The requirement in the quoted excerpt is also on the producers under investigation to clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like products with regard to the manufacture of that product. In this case Urea is the main raw material comprising around 40% of the total cost of the product and its prices are guided by the state as indicated in annexure III & IV of the protocol of accession. To that extent the market economy conditions do not seem to prevail in pricing of the raw material. Although Urea is mentioned under the category of fertilizer but there is no clear or even indirect reference to different uses of Urea and end use wise differentiation for purpose of price guidance or quotas issued by the State.

The exports to India were made by the exporter directly. Price adjustments on export price was given to the responding exporter from China as per the actual adjustments claimed by the exporter and confirmed during the verification visit.

Normal value of the exporter was constructed on the basis of cost of production for the Chinese exporter which was worked out by adopting the international prices of Urea. (Urea comprises 97% of the cost of raw material and approximately 40% of the cost of production of Melamine). Cost of raw material was added to the normated cost of utilities and selling, general and administrative expenses of the domestic industry. Reasonable profit was added to arrive at a constructed normal value. Credit adjustment for ammonia has been given on the basis of claims made by domestic industry which is in consonance with para 7 of Annexure I of Anti Dumping Rules¹. "In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on..... any (other) reasonable basis (including the prices actually paid or payable in India for the like product) duly adjusted, if necessary, to include a reasonable profit margin".

(11) Market Economy Treatment

For purposes of market economy treatment Para 8 in Annexure I to the Anti Dumping Rules states as under: -

- (1) *The term "non market economy country" means any country which the Designated Authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3)*
- (2) *There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as a non-market economy country for the purpose of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three-year period preceding the investigation is a non-market economy country.*

Provided, however, that a non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the

¹ Emphasis added by incorporating only portions of the provisions invoked in this case.

Designated Authority that establishes that such country is not a non market economy country on the basis of criteria specified in sub-paragraph

- (3) *The Designated Authority shall consider in each case the following criteria as to whether:*
- (a) *the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;*
 - (b) *the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;*
 - (c) *such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and*
 - (d) *the exchange rate conversions are carried out at the market rate;*

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the Designated Authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in this paragraph.

(4) Notwithstanding anything contained in sub-paragraph (2). The Designated Authority may treat such country as market economy country which, on the bases of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub-paragraph (3), has been, by publication of such evaluation in a public document, treated or determined to be treated as a market economy country for the purposes of anti-dumping investigations, by a country which is a Member of the World Trade Organisation.

(12) This matter was initiated on 10th September, 2003 and the first detailed submissions were to be received by 7th November, 2003. POI was from April, 2002 to June, 2003. China PR till the date of initiation was not treated as a market economy country by another country which is a member of the World Trade Organisation.

(13) China has been treated as non-market economy by European Commission and United States in the past three years. European Union and United States are members of World Trade Organization. In India also, the Designated Authority has treated China as non-market economy. Individual market economy treatment was granted to Chinese producers/exporters in the past on the basis of rebuttal of such presumptions by providing information and evidence to the Authority as explained in quoted para (3)(a) – (d) above.

(14) M/s Tianjin Kaiwei Chemical Co. Ltd had submitted questionnaire response. Exporters had also submitted information claiming Market Economy treatment/ individual treatment. Clarifications have been sought by Authority with regards to technology, cost of production, ex-factory sales price in the domestic market and ex-factory sales price of exports to India.

(15) Urea is one of the major raw material for production of Melamine. As per the Protocol signed by China PR before WTO, urea, whether or not in aqueous solution is listed as a product under the following:-

- a) Products Subject to Import Licence, Import Quota and Import Tendering;
- b) Products Subject to Government Guidance Pricing.

No evidence was provided by the exporter or Government of China to confirm the claims of exporter for market economy treatment. Only arguments based on differential VAT application (depending on end use) and newspaper clippings were quoted. These arguments were not tenable as they were not based on either appropriate evidence on rationnale.

In view of the above, Authority concludes that the decision of Chinese firms with regards to prices of raw material are not fully made in response to market signals reflecting supply and demand and are not without significant State interference in this regard.

(16) Normal value in China

Normal value for the purpose has been constructed on the basis of price actually payable in India vide para 7 Annexure – 1 of the Anti Dumping Rules. During exporters verification, it was verified that Urea was procured at \$****/MT during the POI from local parties from two companies one of which was private and the other was a State owned company in China. The normal value in the China PR was thus determined on the basis of cost of production in India as ascertained by Authority. The cost of production of the like article in India has been duly adjusted for cost of raw material (Urea) on the basis of international prices.

Normal value has been thus determined on the basis of cost of production as mentioned above after adding reasonable profits.

Normal value for the purposes of calculation of dumping margin comes to \$****/MT.

(17) EXPORT PRICES:

Export price claimed by exporter was verified with importer data and transaction-wise imports data of Directorate General of Commercial Intelligence & Statistics (DGCIS) for the POI. During exporters verification the invoices of exports to India during POI were examined and after analyzing the adjustments made before FOB and after FOB stage (Ocean freight; marine insurance; Port expenses in China; Inland freight in China; Interest; Commission) ex-factory export price was taken as \$ ****/MT for cooperating producer/ exporter and \$ ****/MT for non-cooperative exporters/producers. Minimum export price of the cooperating exporter has been taken as the export price of the non-cooperating exporters to disadvantage non-cooperation.

(18) DUMPING MARGIN:

Considering the normal value and export price, as detailed above, dumping margins have been determined. Dumping Margins are 6.5% in case of M/s Tianjin Kaiwei Chemical Co. Ltd the cooperating exporter and 31.6% in case of non-cooperating exporters from China PR.

Injury Analysis & Causal Link**(19) Issues raised by exporter after issue of disclosure statement**

- a. The Sales Quantity is not at all affected,
- b. Sales Prices are not adversely affected,
- c. Margin is better than the average of previous three years,
- d. The Production is only artificially curtailed by reducing the Closing Inventory and if this negative effect on account of Inventory adjustment is neutralized the impact in production is less than 1% per annum,
- e. The Cost of Production of Melamine is infested with diseconomies like:
 - i. Excessive Overheads on account of hefty Losses in the last two years,
 - ii. There are switching off of production and restarting production in light of lower capacity utilization leading to idle time cost necessitating disallowance of idle time cost from the Cost of Production of Melamine,
- f. GSFC had dumped the same product in the international market at a price lower than their Cost of Production,
There is no justification for imposition Anti Dumping Duty on import of Melamine from Kaiwei.

(20) Issues raised by Domestic Industry after issue of disclosure statement

- (a) **"Non injurious price":** - The optimum cost of production has been assessed by considering "selling price of urea by GSFC for industrial use". However, the adjustment for by product (ammonia) has been granted on the basis of ammonia cost of production of GSFC."
- (b) "It would thus be seen that different methodology has been followed for raw material and by product generated out of production process."

2697 GI/04-7

Petitioner requests that a uniform methodology may kindly be considered for both the raw material prices and by product generated. Either both may kindly be taken at cost of production or both may kindly be taken at market/international price (even though the domestic industry considers that for the purpose of non injurious price, the cost of production of urea and cost of production of ammonia are required to be considered)."

(21) Views of Authority

- (a) The petitioner maintained product specific detailed cost records which have been verified by the Directorate and have provided cost of production information from such costing information. No costs of other product have been loaded onto Melamine.
- (b) The petitioner faced high level of inventories, as it could not sell the material in market due to availability of dumped material in the market. The reasons for decline in production was high level of inventories. High level of inventories were clearly due to presence of dumped imports in the market preventing the domestic industry from selling the product.
- (c) Capacity utilization of the domestic industry declined significantly. The selling price of domestic industry was unremunerative and the domestic industry was facing price undercutting which directly resulted in significant increase in import volumes. Sales volumes of the domestic industry did not grow at the rate at which the market demand grew. Thus, the sales volumes of the domestic industry were sub-optimal. Moreover, the domestic industry could sell the product only after offering the material at unremunerative prices.
- (d) From the month wise details of production over the entire injury period. It would be seen the petitioner would have produced approximately 13000 MT.
- (e) Petitioner has provided alongwith its written submissions a statement showing its selling prices on month to month basis. There have been too wide and too frequent fluctuations in the prices of the product. These are due to the fact that the petitioner had to respond to the low priced imports whenever the imports were present in the market in significant volumes. It shows that whenever the company reduced its prices, it was able to sell good volumes. However, the company suffered severe financial losses. Whenever the company attempted to increase the price, its sales volumes fell.
- (f) Methodology adopted for calculating non-injurious price is indicated in para (40).

(22) Indexed table of the parameters to analyze injury to the Domestic Industry and corresponding causal link because of Dumped imports is as follows. The injury period is from April 1999 to June 2003.

S N	Particulars	Unit	1999-00	2000-01	2001-02	(April 2002 – June 2003) POI
						Annualized
1	Sales	Indexed	100.00	287.02	264.76	267.27

2	Cost of Production & sale	Indexed	100.00	118.58	113.70	135.61
	Sales Realization	Indexed	100.00	105.47	118.85	130.37
	Profit/Loss (Rs/MT)	Indexed	-100.00	-187.82	-86.50	-163.30
	Profit/Loss (Rs)	Indexed	-100.00	-539.08	-229.01	-436.44
3	Market Share					
	Imports from China	MT	894	80	295	1850.4
	Other Countries	MT	4813	168	500	1115.2
	Total Imports	MT	5707	248	795	2965.6
	Market Share					
	China	%	15.66	32.26	37.11	62.39
	Other Countries	%	84.34	67.74	62.89	37.61
	Demand	Indexed	100.00	115.29	112.38	136.47
4	Market Share in Demand					
	China	Indexed	100.00	7.76	29.5	151.3
	Domestic industry	Indexed	100.00	248.96	235.57	195.85
5	Imports % from China in relation to production	Indexed	100.00	9.18	30.92	269.57
6	Productivity	Indexed	100.00	63.81	75.78	58.89
7	Return on Capital Employed	Indexed	100.00	-217	65.46	-53.28
8	Capacity Utilization	Indexed	100.00	97.50	106.71	76.77
9	Magnitude of Margin of Dumping	Dumping Margin is in the range of 6.5% to 31.6%				
10	Cash Flow/Cash profit	Indexed	100.00	-872.37	-160.05	-589.93
11	Inventories	Indexed	100.00	33.12	47.18	15.44
12	Employment	Indexed	100.00	152.80	140.80	130.40
13	Wages	Indexed	100.00	100.68	110.26	131.84
14	Ability to raise capital	The company has negative return on its capital employed. At the same time, capacity created is sufficient				

			to meet demand of the country	
			Therefore, there is no immediate scope for any expansion	
15	Growth		Negative	

(23) Volume effect:

Imports from China have increased significantly in absolute terms as also relative to production and consumption in India. As per DGCIS data and from the sales of the domestic industry import volumes and market share, it is found that:-

Share of imports from China has increased in relation to imports of the product in India both in terms of value and volume;

Share of imports from China increased significantly in relation to demand/consumption in India;

Imports from China increased significantly in relation to production in India.

As a direct consequence of increase in imports from the subject country, the share of the domestic industry has declined. At the same time, the demand for the subject goods has shown an increase and the sales of the domestic industry is less than the production and capacity created by the domestic industry. It has also resulted in inventory build up.

(24) Price effect:

There is price undercutting in the range of 10-20% and price underselling in the range of 10-30%.

Net sales realisation has slightly increased but is not commensurate to the increase in cost of production and sale. This has resulted in reduction of cash profit for the subject product.

(25) Natural and potential decline in sales

Sales volumes of domestic industry have not picked up. The retarded growth and minor decline in the sales volumes in spite of increase in demand of the product in the country; higher production by the domestic industry with significantly unutilized capacities; suppressed prices offered by the domestic industry indicates both the volume and price effect of the dumped goods on the sale of subject goods in India. Net sales realization ranged between Rs. 40000/MT to Rs. 60000/MT.

Profits of the domestic industry have significantly declined even though it has been able to maintain some volume of sales. Further, profitability, after showing some improvement in 2001-02, had fallen again.

Domestic industry had adverse profitability in 2000-2001. The domestic industry made efforts to reduce inventories by adjusting sales price, sales volume and production. The domestic industry had almost one year's material in stock in the year 2000-2001. Therefore, the Company was forced to reduce the prices. This reduction in prices resulted in reduction in inventories to a very large extent. However, after improving the profitability in 2001-2002, the domestic industry was forced to suffer poor profitability again in the investigation period.

(26) Output

Production of Melamine by the domestic industry has significantly declined. Petitioner is faced with unutilized capacities in spite of significant increase in demand of the product in the Country.

(27) Productivity

It being a continuous process plant decline in production has directly resulted in decline in productivity.

The level of wages have gone up though employment has marginally come down from 2000-01.

(28) Return on capital employed: -

Return on capital employed has reduced considerably. Further, on the lines of trends in profitability, the domestic industry had improved its return on capital employed in 2001-2002, which declined again in POI.

(29) Utilization of capacity: -

Since there is no change in the capacities created, utilization of capacity follows the same trend as that of production. The capacity utilization of the domestic industry declined as a result of decline in production. Domestic Industry had unutilized capacities in spite of significant positive & increasing demand of the product in the Country.

(30) The magnitude of the margin of dumping: -

Dumping margins in respect of imports from China has been in the range of 6.5% to 31.6%. The impact of dumping of subject goods was significant and has manifested both in terms of price and volume effect.

(31) Actual and potential negative effects on cash flow: -

The adverse profitability of the domestic industry had adversely impacted the cash flow of the domestic industry in terms of depressed cash profits.

Inventories: -

The domestic industry was earlier holding very high level of inventories. The level of inventories was unprecedented. Effects of lowering the prices by the domestic industry brought down the inventory levels. However, this had adversely impacted the profitability and had prevented the domestic industry from optimizing production and capacity utilization levels.

Growth: -

The domestic industry had recorded small change in growth in sales in POI in spite of demand recording a positive growth with reduction in production and inventories.

2697 GI/c4-8

(32) Ability to raise capital investments: -

Petitioner is a multi product Company and, therefore, while the other products may be able to support any short-term capital requirements of this product, long term adverse performance of the domestic industry was impacting overall ability of the Company as a whole to raise capital.

(33) Volume and value of imports from other countries

Although the product was being imported from several countries, import prices from other countries were higher and were not undercutting or the volume of imports was de-minimus. There was a significant increase in imports from China vis-à-vis other countries.

(34) Price undercutting

Price undercutting determined by comparing the weighted average net sales realization of the domestic industry with the landed price of imports shows that the landed price of imports is below the selling price of the domestic industry, thus resulting in price undercutting, between 10 - 20%.

(35) The net sales realization was determined exclusive of rebates/discounts, commission, taxes and duties. Net sales realisation ranged between Rs. 40000/MT to Rs. 60000/MT.

(36) Price underselling

Price underselling is derived by comparing weighted average non-injurious price of the domestic industry with the landed price of imports of subject goods into India. Price underselling of dumped goods deprived domestic industry of prices it ought to get from sale of the subject goods in the domestic market. Price underselling was to the extent of 10-30%.

(37) Price suppression

Although there has been an increase in the sales realization due to increase in cost of production of the subject goods landed value of the dumped imports was below the cost of production of the domestic industry.

(38) Conclusion on injury analysis and causal links

From the analysis of the injury table as mentioned above, it is evident that imports from subject countries have gone up and market share of the subject countries have also gone up whereas market share of the domestic industry has come down to the same extent. This has resulted in lower capacity utilization and productivity. Although, inventories compared to 1999-2000 have been liquidated still the closing stock maintained is at a comparatively high level by the company.

There is a positive price undercutting and price underselling by the dumped imports. Although there has been a gradual rise in the net sales realization this

rise has not been commensurate to the rise in cost of production of the like articles. Cash profit and return on capital employed has deteriorated in the injury period.

Issues pertaining to Government policies having bearing on the finances of the company and export performance have been segregated to analyze the injury to the domestic industry on the dumped imports. Dumped imports are above de minimis level and there has been growth in the demand of the like articles with no change in pattern of consumption amongst end users. The end users used both the domestic product as well as their product interchangeably. Technologies used are similar, however, the minor differences in technologies if at all do not impact the end product as meant to be used by the user industry. No information regarding trade restrictive practices adopted by domestic industry have been brought to the notice of the Authority.

(39) Landed Value

The landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under Customs Tariff Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

The landed value of imports has been determined as the CIF import price (sources from DGCIS) plus 1% landing charges and applicable basic customs duties for the POI.

(40) Methodology for arriving at Non-Injurious Price (NIP)

The Authority determined a Non-injurious price for the subject goods after a detailed analysis and scrutiny and verification of information provided by the applicant companies.

The cost information on all relevant factors concerning the production and the production process were called for in the prescribed Proforma for the period of investigation and for the preceding years. The actual cost of production of the subject goods for the domestic industry has been used to determine optimum cost of production on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP). In the determination of Non-injurious price for the domestic industry, the Authority has examined and analysed in detail all the relevant factors including cost of raw material used in the production of subject goods, the consumption thereof, the cost of utilities such as power, water etc., cost of labour, depreciation cost, selling and administrative expenses and interest cost. The factors such as investments made in the plants and the capacity utilisation have also been examined in the cost analysis. All these factors have been determined with reference to the basic books of accounts and production and financial statements. The Non-injurious price for the domestic industry has been determined by addition to the cost of production of a reasonable profit margin on the capital employed by the applicants.

(41) INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

Domestic industry has adequate capacity and Melamine thus produced is used interchangeably with the imported product by the users. Similar trade channels are used for sale of Melamine within the country.

M/s GFSC is further subjected by Government to strict consumption norms efficiency parameters of international standards and normative level of capacity utilization without allowance for vintage technology for use of urea as fertilizer.

The Authority holds that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

The Authority recognizes that though the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products, however, fair competition in the Indian market will not be reduced by these anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by the dumping practices and would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice of the subject goods to the consumers. Imposition of anti-dumping measures would also not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

H. Conclusion

(41) It is seen, after considering the foregoing, that:

- a) The subject goods in all forms originating in or exported from the subject country have been exported to India below its normal value.
- b) The domestic industry has also suffered material injury by way of financial losses due to suppressed Net Sales Realisation (NSR) on account of price undercutting / underselling caused by low landed prices of the dumped subject goods.
- c) The injury has been caused to the domestic industry by dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries.
- d) The Authority recommends anti-dumping duty on imports of subject goods falling under Chapter 29 originating in or exported from the subject country

- e) The Authority considered to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or lower so as to remove the injury to the domestic industry accrued on account of dumping. Accordingly, it is proposed that provisional anti dumping duties equal to the difference between the amount of Column 9 of the Table below and landed value of subject goods in \$/MT be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from subject country.

Sl. No	Sub-heading	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Reference Price (USD/MT)
	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	29336100	Melamine	Melamine	China PR	China PR	Tianjin kaiwei chemical Co.ltd	Tianjin kaiwei chemical Co.ltd	1284.38
2.	29336100	Melamine	Melamine	China PR	China PR	Tianjin kaiwei chemical Co.ltd	Any exporter other than Tianjin kaiwei chemical Co.ltd	1456.78
3.	29336100	Melamine	Melamine	China PR	China PR	Any producer other than Tianjin Kaiwei	Any exporter other than Tianjin kaiwei chemical Co.ltd	1456.78
4.	29336100	Melamine	Melamine	China PR	Any country other than China PR	Tianjin kaiwei chemical Co.ltd	Any exporter	1456.78
5.	29336100	Melamine	Melamine	China PR	Any country other than China PR	Any producer other than Tianjin Kaiwei	Any exporter	1456.78
6.	29336100	Melamine	Melamine	Any country other than China PR	China PR	Any producer	Any exporter	1456.78

(42) An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act, *supra*

(43) An application for review under Section 9(A) (5) of the Customs Tariff Act, 1975 may be filed six months before expiry of the definitive duties.

ABHIJIT SENGUPTA, Designated Authority

2697 GE/04-9